DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Circular /Acad Sec./Curriculum-12(7)/HF/CBCS-MA-II Yr/2023.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean, Faculty of Humanities; **the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the following subject wise Revised Curriculum of Choice Based Credit & Grading System** under the faculty of Humanities in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

Sr. No.	UG Subject wise Curriculum	Semesters
01.	M. A. Second Year [Marathi]	IIIrd & IVth
02.	M. A. Revised Second Year [Hindi]	IIIrd & Ivth

This is effective from the Academic Year 2023-24 and Onwards as per appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Col. /PG/CBCS/ M.A. II Yr/FH/ 2023/6032-41

Date: 19.07.2023.

****

Deputy Registrar,
Academic.

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Section Officer, [M.A. Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

--**--

DrK*190723/-

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय,

औरंगाबाद.

CBCGS Pattern

हिंदी पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी तृतीय एवं चतुर्थ सत्र

विषय : हिंदी

(क्रियान्वित 2023-24)

7-2023

Dean
Faculty of Humanities,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada
University,Aurangabad.

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद.

हिंदी पाठ्यक्रम

एम.ए. द्वितीय वर्ष

(तृतीय एवं चतुर्थ सत्र)

जून 2023 से क्रियान्वित

MA II Hindi Semester – III

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learning	Work Load/ Weekly/Hours
Core Course	Hindi 501	भारतीय साहित्य : : रचना एवं रचनाकार	4	5
	Hindi 502	हिंदी भाषा का विकास	4	5
	Hindi 503	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी	Hindi 507	माध्यम लेखन	4	5
	Hindi 508	अनुवाद विज्ञान	4	5
	Hindi 509	भाषा शिक्षण	4	5

MA II Hindi Semester – IV

Core Course	Hindi 504	भारतीय साहित्य : रचना एवं रचनाकार	4	5
	Hindi 505	भाषाविज्ञान	4	5
	Hindi 506	शोध प्रविधि	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र	Hindi 510	हिंदी के विभिन्न विमर्श :सामान्य परिचय	4	5
	Hindi 511	विधा स्वरूप विवेचन	4	5
	Hindi 512	विशेष रचनाकार - प्रेमचंद	4	5

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester-III

Core Course

501- भारतीय साहित्य : रचना एवं रचनाकार

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना ।
2. भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य के माध्यम से भारतीयत्व की पहचान कराना |
3. भारतीय साहित्य की सैध्दांतिकी का अध्ययन कराना ।
4. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा को समझाना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. रचनाकार/ अनुवादक /आलोचकों से साक्षात्कार
4. छात्र-संवाद / छात्र संगोष्ठी
5. स्वाध्याय

	पाठयाश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्या कन्नड साहित्य का परिचय तमिल साहित्य का परिचय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	20
2	तुगलक - नाटक	20
3	अधूरे मनुष्य - कहानी संग्रह	20
4	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तकें -

1 तुगलक : नाटक - गिरीश कर्नाड (कन्नड) अनुवाद – ब.व. कारंत
प्रकाशक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2 अधूरे मनुष्य : कहानी संग्रह (सम्पूर्ण कहानियां) - डी.जयकांतन (तमिल)
प्रकाशक : ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1 भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

2 भारतीय साहित्य : डॉ मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

3 भारतीय साहित्य डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर

4 भारतीय साहित्य : डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर

5 कन्नड साहित्य का इतिहास : रं. श्री मुंगळी, अनु. गौरीश कायकिणी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

6 हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ हेब्बार, साहित्य रत्नाकर कानपुर

7 तमिल साहित्य और संस्कृति : अमरसिंह वधान, अभिषेक प्रकाशन दिल्ली

8 हिंदी रंग चेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली

9 भारतीय नाटक एवं रंगमंच -संपा. जगदीश चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय,दिल्ली,

10 हिंदी एवं कन्नड़ साहित्य की प्रमुख धाराओं का तुलनात्मक अध्ययन - डा. एन.एस. कृष्णमूर्ति ।

11 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद

MA II Hindi Semester-III

Core Course

502 - हिंदी भाषा का विकास

उद्देश्य

1 हिंदी भाषा का संरचात्मक अध्ययन कराना ।

2 हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन कराना ।

3 हिंदी की बोलियों का अध्ययन कराना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान

2 दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग

3 स्वाध्याय

4 अध्ययन यात्रा

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	**1 हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, पैशाची, महाराष्ट्री, अर्धमागधी, मागधी	15
2	**2 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ :** बंगाली, असमिया, उडिया, हिंदी, गुजराती, पंजाबी,सिंधी, मराठी	15
3	**हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ :** पूर्वी हिंदी : अवधी, बघेली , छत्तीसगढ़ी पश्चिमी हिंदी : खड़ीबोली, हरियाणवी, ब्रजभाषा, कन्नौजी, बुंदेली बिहारी हिंदी : मगही , मैथिली, भोजपुरी राजस्थानी हिंदी : मारवाड़ी, जयपुरी, मेवाती, मालवी पहाडी हिंदी : कुमाऊनी, गढ़वाली	15
4	**हिंदी की रूप रचना:** संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप, लिंग, वचन, कारक	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1 हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास: उदय नारायण तिवारी: लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास: डॉ हेतु भारद्‌वाज / डॉ रमेश राउत पंचशील प्रकाशन जयपुर

3. हिंदी भाषा का इतिहास: डॉ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4. हिंदी उद्भव, विकास रूप: हरिदेव बाहरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिंदी भाषा की संरचना: डॉ भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, नई दिल्ली

6. हिंदी भाषा और लिपि का एतिहासिक विकास: प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्‌यालय प्रकाशन वाराणसी

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester-III

Core Course

503 प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धान्त और प्रविधि से छात्रों को अवगत करना।
2. कार्यालयीन हिन्दी का अनुप्रयोग सीखाना।
3. कार्यालयीन हिन्दी में संगणक की उपयोगिता से छात्रों को अवगत करना।
4. पारिभाषिक शब्दावली का महत्व एवं उपयोगिता से छात्रों को अवगत करना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याखान

2 दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग

3 स्वाध्याय

4 अध्ययन यात्रा

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप तथा प्रयोग क्षेत्र** • प्रयोजनमूलक हिंदी से तात्पर्य एवं परिभाषा • प्रयोजमूलक हिंदी की विशेषताएँ • प्रयोजमूलक हिंदी के प्रयोग क्षेत्र तथा प्रयुक्तियाँ	15
2	**2 कार्यालय क्रियाविधि :** प्रारूपण , टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, परिपत्रक, आदेश, विज्ञप्ति, प्रतिवेदन, कार्यवृत्त	15
3	**3 प्रयोजनमूलक हिंदी के विकास में संस्थाओं का योगदान :** • केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, • केन्द्रीय हिंदी संस्थान • वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, • राजभाषा विधायी आयोग, • केन्द्रीय अनुबाद ब्यूरो,	15
4	**4 पारिभाषिक शब्दावली :** • पारिभाषिक शब्दावली अर्थ, तथा परिभाषा,	15

	• पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ, • पारिभाषिक निर्माण तथा निर्धारण स्वरूप और समस्याएं • भारतीय पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सम्प्रदाय राष्ट्रीयतावादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी, प्रयोगवादी, समन्वयवादी	
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1 प्रयोजनमूलक हिन्दी डॉ. विनोद गोदरे

2. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ. राम गोपालसिंह जादौन

3. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोनटक्के

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह

6. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झाल्टे

7. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दक्षा निमावत

8. प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिन्दी- ओमप्रकाश सिंहल

9. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा पत्रलेखन - डॉ. बापूराव देसाई

10. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय

. प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester-IV

Core Course

504 - भारतीय साहित्य : रचना एवं रचनाकार

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप का अध्ययन कराना ।
2. भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य के माध्यम से भारतीयत्व की पहचान कराना ।
3. भारतीय साहित्य की सैध्दांतिकी का अध्ययन कराना ।
4. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा को समझाना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. रचनाकार/ अनुवादक /आलोचकों से साक्षात्कार
4. छात्र-संवाद / छात्र संगोष्ठी
5. स्वाध्याय

	पाठयाश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य की विशेषताएं भारतीय साहित्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति मराठी साहित्य का परिचय उड़िया साहित्य का परिचय तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद	20
2	पांगिरा - विश्वास पाटील	20
3	वर्षा की सुबह - सीताकांत महापात्र	20
4	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तकें -

1 पांगिरा - उपन्यास - विश्वास पाटील (मराठी)
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2 वर्षा की सुबह - कविता संग्रह - सीताकांत महापात्र (उड़िया)
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता :

1 आकाश 2 नारी 3 हम

4 शब्द अब शब्द नहीं	5 शब्द से दो बातें	6 लटटू
7 खामोश रात कवि	8 चांदनी रात में गांव	9 जड़
10 बाहर का दरवाजा	11 यात्रा तेरी लंबी हो	12 चूल्हे की आग

संदर्भ ग्रंथ :

1 भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

2 अनुवाद का समाजशास्त्र - डॉ सूर्यनारायण रणसूभे, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद

3 भारतीय साहित्य: अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्य-जगदीश यादव सिंघई पब्लिशर्स रायपुर

4 भारतीय साहित्य : डॉ मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

5 भारतीय साहित्य : डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर

6 मराठी भाषा और साहित्य - राजमल बोरा

7 भारतीय साहित्य : डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर

8 हिंदी रंग चेतना और हिंदी नाटककार - जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली

9 तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester-IV

Core Course

505 - भाषा विज्ञान

उद्देश्य :

1. भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन कराना ।
2. भाषा - अध्ययन की प्रक्रिया का अध्ययन कराना ।
3. भाषा अध्ययन के ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन कराना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. अध्ययन अध्यापन पद्धति
2. व्याख्यान पध्दति
3. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग
5. स्वाध्याय

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. भाषा : स्वरूप और भेद :** • भाषा : परिभाषा एवं स्वरूप • भाषा व्यवस्था और भाषा - व्यवहार • भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएँ • भाषा और बोली **2. भाषा विज्ञान :** • भाषा विज्ञान तात्पर्य एवं परिभाषा • भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र • भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ: एककालिक, बहुकालिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षण, पुनर्निर्माण पद्धति • भाषा-विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता	15
2	**3. भाषा-विज्ञान का अन्य शास्त्रों से संबंधः** • भाषा विज्ञान और व्याकरण, • भाषा-विज्ञान और साहित्य, • भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान, • भाषा-विज्ञान और शरीर विज्ञान, • भाषा-विज्ञान और इतिहास	15

	• भाषा-विज्ञान और भूगोल, • भाषा-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान. **4. स्वन और स्वनिम विज्ञान :** • स्वन विज्ञान का स्वरूप • स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण • स्वन गुण • स्वनिम स्वरूप एवं भेद	
3	**5. रूप तथा रूपिम विज्ञान :** • रूप विज्ञान का स्वरूप • शब्द और रूप • अर्थतत्व और संबंध तत्व • संबंध तत्व के प्रकार • रूपिम की अवधारणा एवं भेद • रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण **6. वाक्य तथा प्रोक्ति विज्ञान :** • वाक्य-विज्ञान का स्वरूप • वाक्य की अवधारणा अभिहितान्यवाद, अन्विताभिदानवाद • वाक्य की आवश्यकता • वाक्य के अंग • वाक्य के भेद • वाक्य परिवर्तन दिशाएँ एवं कारण प्रोक्ति-विज्ञान की अवधारणा	15
4	**7. अर्थ-विज्ञान :** • अर्थ विज्ञान का स्वरूप • अर्थ की अवधारणा : भारतीय, पाश्चात्य • शब्द और अर्थ का संबंध • अर्थ विकास की दिशाएँ एवं कारण • बौद्धिक नियम	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

2. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि: रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका: देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा और भाषा विज्ञान : डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर
6. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम और हिंदी: डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
8. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा, डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester-IV

Core Course

506 - शोध प्रविधि

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध अनुसंधान की जानकारी देना।
2. शोध प्रविधि की रूपरेखा निर्माण कर सामग्री संकलन का ज्ञान कराना।
3. छात्रों में शोध के प्रति रुचि पैदा कराना।
4. शोध कार्य की तकनीक से अवगत कराना।
5. अनुसंधान हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग
4. स्वाध्याय

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. शोध अनुसंधान का स्वरूप एवं विकास :** शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रयोजन, उद्देश्य एवं महत्व, अवधारणा या संकल्पना, अनुसन्धान में प्राकृल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना एवं कल्पना, अनुसन्धान में तथ्य एवं सत्य, हिन्दी अनुसन्धान का विकास।	15
2	**2. शोध अनुसंधान के प्रकार:** साहित्यिक शोध, भाषावैज्ञानिक शोध, भाषा सर्वेक्षण की विधि, काव्य-शास्त्रीय शोध, साहित्येतिहास सम्बन्धी शोध, तुलनात्मक साहित्यिक शोध, लोक-साहित्य सम्बन्धी शोध, साहित्यिक समाजशास्त्रीय शोध, साहित्यिक मनोवैज्ञानिक शोध, साहित्यिक सौंदर्यशास्त्रीय शोध, साहित्यिक ऐतिहासिक शोध आदि ।	15
3	**3. शोध की विभिन्न पद्धतियाँ:** आलोचनात्मक, शास्त्रीय, भाषा-वैज्ञानिक और शैली वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, सर्वेक्षण, समस्यामूलक क्षेत्रीय, आगमन-निगमन। वैज्ञानिक पद्धति-मूल तत्त्व, व्यक्तिपरक गुण, वैज्ञानिक पद्धति के सोपान।	15

	अनुभवाश्रित पद्धति-विशेषताएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ। सामाजिक पद्धति-मूल अर्थ, मुख्य संघटक, मूल उद्देश्य, विधियाँ, सीमाएँ ।	
4	**4. शोध अनुसन्धान प्रक्रिया - विषय चयन** अनुसन्धान विषय चयन, स्रोत सामग्री-संकलन, अनुक्रमणिका, भूमिका लेखन, शीर्षक, उपशीर्षक, उपसंहार, पाद-टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ ग्रन्थ सूची, शोध प्रबंध की रूपरेखा, अनुसन्धान एवं निर्देशन की पात्रता तथा उत्तरदायित्व	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी अनुसंधान - विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
2. अनुसंधान प्रविधि - गणेशन, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र - राजमल बोरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी पाठानुसंधान - कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. अनुसंधान का व्यावहारिक - सूरती स्वरूप, उर्वशी हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर बम्बई
6. साहित्यिक अनसंधान के आयाम - रवीन्द्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
7. शोध:स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक - बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन दिल्ली
8. शोध प्रविधि - विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
9. अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – IV

वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी

507 - माध्यम लेखन

उद्देश्य

1. जनसंचार माध्यमों का अध्ययन कराना।
2. माध्यमोपयोगी लेखन का सैद्धान्तिक अध्ययन कराना।
3. माध्यम लेखन कौशल का विकास कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति
2 कार्यशाला
3 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग
4 कार्यशाला/अभ्यास
5 मीडिया कर्मियों से साक्षात्कार

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1 जन-संचार स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र :** जनसंचार: तात्पर्य एवं स्वरूप, संचार प्रक्रिया, संचार के क्षेत्र एवं प्रकार, संचार माध्यमोंद्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, संचार माध्यमों की भाषा, आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्यागिकी की चुनौतियाँ।	15
2	**2 जनसंचार माध्यम :** स्वरूप, तत्व, प्रकार, प्रक्रिया एवं विकास, जनसंचार माध्यम तात्पर्य एवं स्वरूप, जनसंचार माध्यम के भेद परपंरागत माध्यम: तमाशा, लावणी, कठपुतली रासलीला, नौटंकी आधुनिक माध्यम: समाचारपत्र, रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन, इंटरनेट, मोबाइल नवइलैक्ट्रानिक माध्यम: इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि।	15
3	**3 माध्यमों के लिए लेखन: स्वरूप और प्रकार:** माध्यम/संचारभाषा : स्वरुपगत विशेषताएँ, माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन,माध्यम लेखन के प्रमुख प्रकार, माध्यम लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य, मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम, माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन	15

	का संक्षिप्त इतिहास	
4	**4 मुद्रित माध्यम के लिए लेखन:** समाचार लेखन, फिचर लेखन, विज्ञापन लेखन, संपादकीय लेखन, ब्लॉग लेखन, डॉक्यूमेंट्री लेखन श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: रेडियो वार्ता लेखन, रेडियो नाटक लेखन दृक-श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: धारावाहिक लेखन, विज्ञापन लेखन, टेलिफिल्म लेखन, फिचर फिल्म लेखन तथा वृत्तचित्र लेखन	**15**
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी : सं. सुधीर पचौरी राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप: डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद
4. पटकथा लेखन : एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. टेलीविजन लेखन : अजगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिद्धानाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भारतीय सिने सिद्धांत : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर, हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
9. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - हरिमोहन
10. मीडिया कालीन हिन्दी : स्वरूप एवं संभावनाएं - डॉ. अर्जुन चव्हाण

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – III

वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी

508 - अनुवाद विज्ञान

उद्देश्य

1. अनुवाद - प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन कराना ।
2. अनुवाद- कौशल का विकास कराना ।
3. रोजगारपरक कौशल का विकास कराना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 अनुवाद- कार्यशाला/अभ्यास

4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

5 तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि का विकास

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. अनुवाद : स्वरूप, भेद, उपयोगिता और प्रक्रिया :** • अनुवाद से तात्पर्य एवं परिभाषा और भेद • अनुवाद की प्रक्रिया एवं उपयोगिता • अनुवाद के साधन **2. साहित्यिक अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :** • काव्यानुवाद की समस्या • कथानुवाद की समस्या	15
2	**3. कार्यालयी तथा प्रशासनिक अनुवाद: स्वरूप और समस्याएँ :** • कार्यालयी अनुवाद : साधन और प्रक्रिया • प्रशासनिक एवं कानूनी अनुवाद **4. वैज्ञानिक तथा तकनीकी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :** • वैज्ञानीक और तकनीकी साहित्य • वैज्ञानीक/ तकनीकी साहित्य अनुवाद की समस्याएँ	15
3	**5. मीडिया अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :** • पत्रकारिता से संबद्ध अनुवाद आयाम • पत्रकारिता और अनुवाद	15

	• समाचार- अनुवाद : मुद्रित माध्यम आकाशवाणी • दूरदर्शन- समाचार के अनुवाद • विज्ञापनों के अनुवाद • दूरदर्शन के अनुवाद : क्षेत्र, स्वरूप और समस्याएँ	
4	**5. अनुवाद बनाम मशीनी अनुवाद :** • कम्प्यूटर अनुवाद : अर्थ और घटक • कम्प्यूटर अनुवाद की प्रक्रिया • कम्प्यूटर अनुवाद और इंटरनेट • कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याएँ	**15**
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली
3. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ. हरिमोन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी,शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली
5. ई. अनुवाद और हिंदी : डॉ. हरीशकुमार सेटी, किताबघर 24/4855, अंसारी रोड, नई दिल्ली
6. अनुवाद एवं भाषांतरण पाठ और अभ्यास: सं. रवींद्र गर्गेश असिफअली रोड, नई दिल्ली
7. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, दिल्ली.
8. अनुवाद के विविध आयाम: पूरण चंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद की नई परंपरा और आयाम: कृष्णकुमार गोस्वामी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
10. अनुवाद-विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली

प्रो.अरुणा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – III

वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी

509 - भाषा-शिक्षण

उद्देश्य

1. विद्यार्थी भाषा सीखने की सृजनात्मक प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।
3. भविष्य में हिंदी शिक्षण में अच्छे शिक्षक बन सकेंगे।
4. विद्यार्थी भाषा-शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित होंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 कार्यशाला

4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. भाषा-शिक्षण: स्वरूप और उद्देश्य :** • भाषा-शिक्षण के सिद्धांत : उद्दीपन-अनुकिया पुनर्बलन सिद्धांत माध्यमीकरण, अन्तर्जातक्षमता, संज्ञानात्मक विकास । • भाषा-शिक्षण के उद्दश्य • भाषा-शिक्षण का राष्ट्रीय संदर्भ	15
2	**2. भाषा-शिक्षण के संदर्भ में भाषा के प्रकार:** • मातृभाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा, समतुल्य भाषा, परिपूरक भाषा, सहायक भाषा, संपूरक भाषा। • मातृभाषा-शिक्षण और अन्य भाषा-शिक्षण में अन्तर, द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा-शिक्षण।	15
3	**3. भाषा-शिक्षण की विधियाँ** और भाषा-कौशल का विकास : • व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, श्रवण-भाषण विधि, अभिक्रमित स्वाध्याय विधि, सम्प्रेषणात्मक विधि । • भाषा-कौशल का विकास : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशलों का स्वरूप और उनमें योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान ।	15
4	**4. हिंदी शिक्षण, भाषा परीक्षण और मूल्यांकन:** • हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा,	15

	दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन से संदर्भित शिक्षा • व्दितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में शिक्षण ,विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण। • भाषा परीक्षण और मूल्यांकन : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना, भाषा परीक्षण के प्रकार, मूल्यांकन के प्रकार	
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा शिक्षण - रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी भाषा - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी भाषा संवरचना के विविध आयाम - रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
4. त्रुटी विश्लेषण सिद्धांत और व्यवहार - राम कमल पांडेय
5. भाषा एवं भाषा शिक्षण – रमाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी भाषा शिक्षण - विशाल कुमार साहू, ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ
7. भाषा शिक्षण और उसका उद्देश्य - डॉ.भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी भाषा की शिक्षण विधि - शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा, हिंदी पुस्तक सदन, दिल्ली
9. आधुनिक भाषा शिक्षण - डॉ कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
10. भाषा की शिक्षण विधियां एवं पाठ नियोजन - लक्ष्मीनारायण शर्मा, विनोद पुस्तक, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – IV

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

510 - हिंदी के विविध विमर्श

उद्देश्य

1. छात्रों को विमर्श की सामान्य जानकारी देना।
2. छात्रों को विमर्श के तात्विक विवेचन की जानकारी देना।
3. छात्रों को विमर्श के उद्भव और विकास की जानकारी देना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 कार्यशाला

4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. विमर्श का स्वरूप विवेचन :** • विमर्श का अर्थ एवं परिभाषा • विमर्श के उद्भव की स्थितियां • हिंदी साहित्य के प्रमुख विमर्श सामान्य विवेचन – अल्पसंख्यक विमर्श, किन्नर विमर्श, किसान विमर्श, बाल विमर्श, वृद्ध विमर्श	15
2	**2. स्त्री विमर्श सामान्य परिचय** **ऐ लड़की - उपन्यास - कृष्णा सोबती**	15
3	**3. दलित विमर्श सामान्य परिचय** **नयी सदी की पहचान श्रेष्ठ दलित कहानियां - संपा. मुद्राराक्षस**	15
4	**4. आदिवासी विमर्श सामान्य परिचय** **नगाड़े की तरह बजते शब्द - काव्य संग्रह - निर्मला पुतुल**	15
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तकें –

1. **ऐ लड़की - उपन्यास - कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली**
2. **नयी सदी की पहचान श्रेष्ठ दलित कहानियां - संपा. मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन,दिल्ली**

   (**पाठ्यक्रम में समाविष्ट कहानियां** - 1 घायल शहर की एक बस्ती - मोहनलाल नैमिशराय 2 शव यात्रा - ओमप्रकाश वाल्मीकि 3 जीवन साथी - प्रेम कपाड़िया 4 आतंक - कवि राजेश कुमार 5 उसका फैसला - कालीचरण प्रेमी 6 एक एक कदम - भवानी सिंह 7 और रास्ता खुल गया - कर्मशील भारती 8 बदबू - सूरजपाल चौहान 9 बलात्कारी - रतन वर्मा 10 पैशाचिक - मुद्राराक्षस)
3. **नगाड़े की तरह बजते शब्द - काव्य संग्रह -निर्मला पुतुल - भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली**

   (**पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविताएं** 1 क्या तुम जानते हो 2 अपनी ज़मीन तलाशती बेचैनी स्त्री 3 बाहामुनी 4 चुडका सोरेन 5 कुछ मत कहो सजोनी किस्कू 6 क्या हूँ मैं तुम्हारे लिए 7 अपने घर की तलाश में 8 बूढ़ी पृथ्वी का दुख 9 उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! 10 एक बार फिर 11 आओ, मिलकर बचाएँ 12 वह जो अक्सर तुम्हारी पकड़ से छूट जाता है)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श - विनीत कुमार, वांग्मय बुक्स, अलीगढ़
2. हिंदी साहित्य में विविध विमर्श - सुरेंद्र शर्मा, मनीष पब्लिकेशन, दिल्ली
3. स्त्री विमर्श : कलम और कुदाल के बहाने - रमणिका गुप्ता, शिल्पायन, नई दिल्ली
4. विमर्श के विविध आयाम - डॉ. अर्जुन चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
6. स्त्री विमर्श के विविध सोपान - राजीव कुमार, ओमेगा पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली
7. हिंदी विमर्श के विविध आयाम - सुधाकर पाठक, हिंदुस्तानी भाषा अकादमी
8. आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन - वंदना टेटे - प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, रांची
9. आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन - कमलेश कुमार, तेज प्रकाशन,दिल्ली

प्रो.अर्चना पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – IV

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

511 विधा स्वरूप विवेचन

उद्देश्य

1. साहित्यिक रचनाओं का वर्गीकरण कर सकेंगे।
2. गद्य की विविध विधाओं का स्वरूप स्पष्ट कर सकेंगे।
3. गद्य की विविध विधाओं में अंतर कर सकेंगे।
4. ज्ञान विज्ञान की प्रकृति के फल स्वरुप, विकसित नवीन विधाओं का परिचय दे सकेंगे।
5. एक दूसरे से मिलती-जुलती गद्य विधाओं में मिलने वाली समानता को समझ सकेंगे।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति
2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग
3 कार्यशाला
4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

	पाठयाश	तासिकाएं
1	1. खंडकाव्य का तात्विक विवेचन 2. महाकाव्य का तात्विक विवेचन 3. गीति काव्य का तात्विक विवेचन 4. प्रमुख रचनाकार - जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन	15
2	1. नाटक का तात्विक विवेचन 2. एकांकी का तात्विक विवेचन 3. उपन्यास का तात्विक विवेचन 4. प्रमुख रचनाकार - शंकर शेष, रामकुमार वर्मा, प्रेमचंद	15
3	1. कहानी का तात्विक विवेचन 2. निबंध का तात्विक विवेचन 3. रेखाचित्र और संस्मरण का तात्विक विवेचन 4. प्रमुख रचनाकार -फणीश्वरनाथ रेणू, कुबेरनाथ राय, महादेवी वर्मा	15
4	5. आत्मकथा और जीवनी का तात्विक विवेचन 6. यात्रा वृत्त का तात्विक विवेचन 7. रिपोर्ताज का तात्विक विवेचन 8. प्रमुख रचनाकार -विष्णु प्रभाकर, राहुल सांकृत्यायन, धर्मवीर भारती	15

	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी जीवनी साहित्य सिद्धांत और अध्ययन - डॉ. भगवानशरण भारद्वाज
2. हिंदी आत्मकथा साहित्य का शैली पर अध्ययन - डॉ. कमलापति उपाध्याय
3. हिंदी का संस्मरण साहित्य - कामेश्वर शरण सहाय
4. हिंदी गद्य साहित्य का विकास क्रम - उमेश शास्त्री
5. आधुनिक हिंदी का जीवनी परक साहित्य - डॉ शांति खन्ना
6. हिंदी गद्य विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी उपन्यास की शिल्प विधि का विकास - डॉ. ओम शुक्ला
8. गद्य की नई विधाओं का विकास - असद माजदा - ग्रंथ अकादमी दिल्ली
9. गद्य की नई विधाएं - ओमप्रकाश सिंहल - पितांबर पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.

MA II Hindi Semester – IV

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

512 - विशेष रचनाकार - प्रेमचंद

उद्देश्य

1. गद्य विधा में प्रेमचंद के महत्व को छात्रों के सम्मुख रखना।
2. उपन्यासकार के रूप में प्रेमचंद को चित्रित कराना ।
3. भारतीय जीवन मूल्यों एवं मानवीय संदर्भों के साथ प्रेमचंद को स्पष्ट कराना ।
4. प्रेमचंद की भाषा एवं साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1 व्याख्यान पद्धति

2 दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

3 कार्यशाला

4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

	पाठयाश	तासिकाएं
1	**1. प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि :** • प्रेमचंद का व्यक्तित्व • प्रगतिशील लेखक संघ और प्रेमचंद • प्रेमचंद के समकालीन साहित्यकार • हिंदी साहित्य में प्रेमचंद का महत्व	15
2	**2. उपन्यासकार प्रेमचंद** **गोदान : उपन्यास**	15
3	**3. नाटककार प्रेमचंद** **कर्बला : नाटक**	15
4	**4. कहानीकार प्रेमचंद** 1. नमक का दारोगा 2. दो बैलों की कथा 3. पूस की रात 4. पंच- परमेश्वर 5. बेटों वाली विधवा	15

	6. अलग्योझा 7. ईदगाह 8. बुढ़ी काकी	
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. उपन्यासकार प्रेमचंद - डॉ सुरेश चंद्र गुप्त, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
2. प्रेमचंद प्रेमचंद युगीन संदर्भ - डॉ अनिल कुमार सिंह, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
3. प्रेमचंद सामाजिक द्वंद्व का ऐतिहासिक अवलोकन- डॉ रेनू कुमारी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी पटना
4. प्रेमचंद एक नया अध्ययन - प्रोफेसर अली अहमद फातमी, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
5. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद और भारतीय किसान - रामबख्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रेमचंद साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेई, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रेमचंद की कहानियों का विश्लेषण - चंदूलाल दुबे, सुषमा साहित्य मंदिर, जबलपुर
9. प्रेमचंद की कहानी कला और साहित्य - डॉ प्रताप नारायण टंडन, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. युग दृष्टा प्रेमचंद - डॉ ललित शुक्ल, कादंबरी प्रकाशन, दिल्ली

प्रो.अपर्णा पाटील
अध्यक्ष, हिंदी अध्ययन मंडल,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद.